

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 5

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्लेब्रांट

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या पांच, हिब्रू कविता में भजन 4 है।

और आपके नोट्स में, मैंने इसे कुछ परिचयात्मक सामग्री में विभाजित किया है। और फिर पृष्ठ 30 पर, मैंने वास्तव में भजन को देखना शुरू किया, पृष्ठ 30 पर भजन की व्याख्या। मैंने सुपरस्क्रिप्ट को देखा और सुपरस्क्रिप्ट का अर्थ है कविता के ऊपर लिखा हुआ, सुपर के ऊपर, और लिखी गई स्क्रिप्ट। और सुपरस्क्रिप्ट हमें बुनियादी या ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी देती है जिसकी हमें आवश्यकता होती है।

और हमें बताया गया है, सबसे पहले, इसकी शैली एक भजन है। और एक भजन का मूलतः अर्थ है, यह एक शब्द अध्ययन है। हिब्रू शब्द मिज़मोर है।

मैं इसके बारे में भजन 100 के साथ बात करूंगा। लेकिन मूल रूप से, इसका मतलब यह है कि यह संगीत के साथ गाया जाने वाला एक गीत है। और इसलिए, यह वही है जिसे हम अक्सर प्रेरणा और भविष्यवाणी सामग्री के साथ देख रहे हैं, आपके पास संगीत है जो इसके साथ है।

और इसलिए, यह भजन, यह गीत, जो हम देख रहे हैं, हमारे पास वह धुन नहीं है। हिब्रू पाठ में, प्रत्येक शब्द में एक उच्चारण चिह्न होता है और कुछ लोगों का मानना है कि वे संगीत संकेतन थे। वास्तव में, एक विद्वान हैं, सुज़ाना हॉक-वेंचुरा, उन्होंने 1979 में एक कृति का निर्माण किया, शानदार काम, बिल्कुल शानदार।

वह एक सेमेटिक विद्वान और संगीतज्ञ दोनों थीं, जो संगीत सिखाती थीं। उसने सोचा कि वह उन लहजों से मंदिर के संगीत का पुनर्निर्माण कर सकती है। और वे वास्तव में, जिन उच्चारणों के बारे में उसने तर्क दिया था वे हाथ के संकेत थे।

और आप वास्तव में पहले राजवंश की मिस्र की राहतों को लगभग थोड़ी देर बाद देख सकते हैं, आप देख सकते हैं कि प्रत्येक वाद्ययंत्र वादक, वीणा, बांसुरी, जो कुछ भी हो, के साथ, होने के बजाय, उनके पास लिखित संगीत नहीं था। कोई था जो हाथ के संकेत देता था और संगीतकार को बताता था कि हाथ के संकेत से क्या बजाना है। इसलिए, उसने तर्क दिया कि ये उच्चारण मूल रूप से हाथ के संकेत थे जो संगीतकार को बताते थे कि क्या बजाना है।

और इसलिए, उसने सोचा कि वह संगीत और आधार, केंद्रीय स्वर का पुनर्निर्माण कर सकती है, इसे सी के पैमाने पर बनाने के बजाय, उसने कहा कि यह ई के पैमाने पर काम करता है। और इसलिए, उसने मंदिर संगीत का पुनर्निर्माण किया। इसने मामले को इतना आश्चर्य कर दिया कि शिक्षा जगत के सबसे विद्वान समाज में, जो कि बाइबिल साहित्य सोसायटी है, उन्होंने उसे अपना संगीत प्रस्तुत करने के लिए एक पूर्ण सत्र दिया और वास्तव में कुछ संगीत बजाया। मेरे पास एक अद्भुत छात्र था और उसने मुझे अपने वादन, अपने संगीत का एक रिकॉर्ड दिया।

और मैं भजन के साथ बैठ गया, मैं भूल गया कि यह कौन सा था, और उसके संगीत के साथ इसे सुना। बेशक, संगीत में, हम हमेशा कहते हैं, मुझे पता है कि मुझे क्या पसंद है, लेकिन सच्चाई यह है कि हम जो जानते हैं वह हमें पसंद है। नया संगीत हमें विशेष रूप से आकर्षित नहीं करता।

तो, मैंने सोचा, ठीक है, यह ठीक है, लेकिन यह मेरे लिए नया है। मुझे इसकी आदत नहीं है, लेकिन यह ठीक था। इसलिए, मैंने इसे अपने रिकॉर्ड प्लेयर पर रख दिया और हम मेहमानों का मनोरंजन कर रहे थे।

और मेरे रिकॉर्ड प्लेयर पर बैकग्राउंड संगीत चल रहा था, जिसमें वह छात्र भी शामिल था जिसने मुझे यह रिकॉर्ड दिया था, जिसने मुझे इसके बारे में बताया था। खैर, मैं इसके बारे में भूल गया। सामग्री में संगीत धीरे-धीरे बज रहा था।

और मेरे पास यह रिकॉर्ड था जो सबसे नीचे होना था। अब हम रात्रिभोज के अंत की ओर थे। और यह ऐलेन पर आया, न जाने यह क्या था, उसने मुझसे कहा, ब्रूस, उस भयानक संगीत को बंद करो।

ठीक है। हम सभी खूब हंसे। खैर, वैसे भी, यह हमें यह बताने का एक तरीका है कि इसे संगीत के साथ गाया गया था।

और शुरुआत में हमें यही मिलता है। उनमें से अधिकांश शब्द, विक टॉम वगैरह, हम नहीं जानते कि उनका क्या मतलब है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त संदर्भ नहीं है कि उनका क्या मतलब है।

तो वैसे भी, वह सुपरस्क्रिप्ट है। यह हमें लेखक के बारे में भी बताता है। 73 में से 14 मामलों में, यह हमें डेविड के जीवन की कुछ घटनाओं के बारे में बताता है जो आपको इसे 1 और 2 सैमुअल में डेविड के करियर में वापस लाने में सक्षम बनाता है।

और आप इसे सैमुएल की पुस्तक की उन घटनाओं से जोड़ सकते हैं। तो यह एक सुपरस्क्रिप्ट है और यह गद्य में है और यह कविता से भी ऊपर है। इसलिए, हमने सुपरस्क्रिप्ट को देखा और फिर हमने कहा कि मैंने इसे पृष्ठ 30 पर विभाजित किया है।

हमारे पास परिचयात्मक प्रार्थनाओं के साथ ईश्वर का संबोधन है। और फिर पृष्ठ 31 पर, जहां हमने समाप्त किया, हमारे पास उच्च जन्मे हुए धर्मत्यागियों का पता है। आप धर्मत्यागियों को संबोधित रोमन अंक ॥ देखते हैं।

फिर हम पृष्ठ 34 पर तीसरे भाग को संबोधित करते हैं। हमारे पास स्वयं याचिकाएँ हैं। और फिर अंत में पृष्ठ 35, रोमन अंक IV पर, हमारे पास आत्मविश्वास है और स्पष्ट रूप से ईश्वर की स्तुति है।

और वे भजन के भाग हैं। ठीक है। ईश्वर के संबोधन और परिचयात्मक याचिकाओं पर पृष्ठ 30 पर वापस मुड़ते हुए, हम पहले ही ऐसा कर चुके हैं, हमने उसे दो भागों में विभाजित किया है।

यह ईश्वर को संबोधित है। यह दर्शकों को आकर्षित करने और ईश्वर का अनुग्रह प्राप्त करने की एक याचिका है। इसलिए, वह भगवान से उसके दरबार में आने, अपना मामला पेश करने, कृपापूर्वक मेरी बात सुनने, मुझ पर एक एहसान करने और भगवान की उपस्थिति में मुझे जवाब देने की अनुमति मांग रहा है।

वह ए, संबोधन और श्रोता प्राप्त करने तथा पक्ष पाने की याचिका थी। तब प्रार्थना थी कि बच जाओ, मुझे संकट से मुक्ति दिला दो। और फिर हम अगले भाग में जाते हैं, उच्च जन्मे हुए धर्मत्यागियों के पास।

और हमें समझ आने लगता है कि उसकी परेशानी क्या है। और जब हमने पूरा भजन पढ़ा, तो हमें पता चला कि संकट यह है कि उनके नेतृत्व ने उन पर विश्वास खो दिया है और भगवान पर विश्वास खो दिया है। और वह संकट था, जो अब विकसित हो गया है और अब पृष्ठ 31 पर, वह अब कविता में है।

यह एक धर्मोपदेश है जैसे वह ईश्वर को संबोधित कर रहा हो। और अचानक, वह अपने धर्मत्यागियों को संबोधित कर रहा है। अब, मुझे लगता है कि यह साहित्यिक कल्पना है।

यह एक कविता है, उनकी कविता में उनकी सच्चाई को उजागर करने का एक तरीका है। तो, वह कल्पना में बदलाव करता है। वह अब भगवान को संबोधित नहीं कर रहा है।

अब वह अपने ऊपर विश्वास बहाल करने के लिए निर्दयी धर्मत्यागियों को संबोधित कर रहा है। उसने वास्तव में ऐसा किया या नहीं, मैं नहीं जानता। मैं कविता से निपट रहा हूँ, जो कल्पना से भरी है।

और इसलिए, मैं इसे उसी तरह नहीं पढ़ता जैसे मैं गद्य सामग्री पढ़ता हूँ। यह कल्पनाशील है। मैं मूल रूप से इसे इसी तरह देखता हूँ, उनके भजन में उनकी सच्चाइयों को जानने के लिए।

इसलिए वह अब धर्मत्यागियों को संबोधित कर रहा है और मैं इसे विभाजित करता हूँ। पृष्ठ 32 पर धर्मत्यागियों को अपने संबोधन में, वह उन पर आरोप लगाता है। तुम कब तक मेरी महिमा को लज्जा में बदलोगे? वह आरोप लगाता है।

और इसके अलावा, वह कहते हैं, उनके लिए पहली सलाह यह है कि अपने राजा को जानो। और वे दो हिस्से थे जहां हम थे। तो, हम धर्मत्यागियों को संबोधित कर रहे हैं।

पहला भाग आरोप और राजा को जानने की उसकी चेतावनी थी। हमने उनसे झूठे देवताओं की ओर विमुख होने के आरोप पर चर्चा की। पृष्ठ 33 पर उन्हें उनकी पहली सलाह यह थी कि आप अपने राजा को जानें और फिर भी भगवान उनकी प्रार्थना का उत्तर देते हैं।

उसे भगवान को संबोधित किया गया है और वह उनकी ओर मुड़ता है और वह कहता है, जानो मैं कौन हूँ। और भगवान मेरी प्रार्थना का जवाब देते हैं। इसमें अंतर हो सकता है, लेकिन वह इसका उत्तर देगा क्योंकि ईश्वर का पुत्र स्वयं प्रार्थना कर रहा है और ईश्वर उससे प्रसन्न होता है।

अब वह न केवल अपने राजा को जानने में, बल्कि उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। और मैंने अंतिम घंटा इस प्रकार समाप्त किया कि उन्हें कैसे पता चला कि वह राजा था? और मैंने तीन शब्द सुझाए, पैगंबर का शब्द, भगवान का शब्द, भगवान की आत्मा, और भगवान के कार्य। और मैंने कहा, इस तरह हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के पुत्र हैं।

यह परमेश्वर का वचन है। यह परमेश्वर की आत्मा है। इसने जीवन बदल दिया है कि हम एक नई वाचा में भाग ले रहे हैं।

हम आपसे अलग शहर में जा रहे हैं। वह मेरा सुझाव था। मुझे लगता है कि यह पवित्रशास्त्र के अनुसार सत्य है।

यह सिर्फ मेरा सुझाव नहीं है, यह हमारे लिए पवित्रशास्त्र को एक साथ रख रहा है। अब हम चेतावनियों की तीन जोड़ियों में हैं। मैंने कहा, सात अनिवार्यताएं थीं।

पहला जोड़ा धर्मत्याग के परिणामों से डरना है। यह परमेश्वर का न्याय लाएगा, कांपो, और पाप मत करो। यहाँ मुझे एक समस्या है।

मैं हिब्रू शब्द का अनुवाद कैसे करूँ? और मैं इसे तुम्हें वहाँ देता हूँ, रिग्जू। धर्मत्याग के परिणामों से डरने के लिए आप इसे पृष्ठ 33 पर देख सकते हैं। मैंने रिग्जू शब्द का अनुवाद किया, जिसका शाब्दिक अर्थ है कांपना या कांपना।

इसका अर्थ है हिलाना, कांपना या हिलना। अब समस्या यह है कि वे क्यों कांप रहे हैं? वे क्यों कांप रहे हैं? ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि वे गुस्से में हैं। वह उनसे कह रहा है, इस स्थिति पर क्रोधित होइए जिसमें आप खुद को पाते हैं।

और इस तरह इसका ग्रीक अनुवाद में अनुवाद किया गया है। इफिसियों 4 में पॉल द्वारा इसका उपयोग इसी प्रकार किया गया है। मैंने कहा, पॉल, मुझे लगता है कि वह भजनों को आगे और पीछे जानता था। इसलिए वह इफिसियों से कहता है, क्रोध करो और पाप मत करो, सेप्टुआजेंट ने इसका अनुवाद इस प्रकार किया है।

तो क्या हिब्रू का मूल अर्थ यही है? न्यू टेस्टामेंट देखें, पॉल ग्रीक अनुवाद का उपयोग उसी तरह करता है जैसे आज एक मंत्री जिसके पास राजा जेम्स है वह राजा जेम्स को उपदेश देगा। हो सकता है कि उसे हिब्रू पाठ की चिंता न हो। वह इसका उपयोग करने जा रहा है क्योंकि लोग इसे जानते हैं।

उसी प्रकार एक उपदेशक सत्य प्रस्तुत करने के लिए किंग जेम्स या किसी अनुवाद का उपयोग कर सकता है। और इसलिए, यह संभव है कि पॉल केवल सेप्टुआजेंट का उपयोग कर रहा है क्योंकि लोग यही जानते थे। और वह सच्चाई प्रस्तुत करता है।

वह जो कह रहा है वह सच है। इसका मतलब यह नहीं है कि डेविड का यही मतलब था। जब तक आप भविष्यवाणी से निपट नहीं रहे हैं और आप कहते हैं, डेविड ने एक भविष्यवक्ता होने के नाते यह कहा है, तो आपको इसे गंभीरता से लेना होगा।

लेकिन जब आपके पास ऐसा कुछ होता है, किसी पाठ का संकेत, तो मैं यह समझने के लिए बाध्य नहीं हूँ कि मूल हिब्रू में इसका क्या मतलब है। कम से कम यह मेरी ओर से एक निर्णय है। मेरे लिए इन धर्मत्यागियों को यह कहना कि वे क्रोधित हों, किस बात पर क्रोधित हों, कोई अर्थ नहीं रखता? आपकी स्थिति पर गुस्सा है, लेकिन वह नैतिक आक्रोश होगा।

और ऐसा लगता है कि यह उनके लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए, मुझे लगता है कि इसका मतलब धर्मत्याग के परिणामों पर डर से कांपने की अधिक संभावना है। थरथराओ और राजा और ईश्वर को जो चुना हुआ है, शाश्वत ईश्वर और उसके चुने हुए राजा को त्याग कर पाप मत करो।

तो, वह उनसे कह रहा है, सबसे पहले, यदि आप किसी अन्य भगवान के पीछे जाने वाले हैं, तो समझें कि आप क्या कर रहे हैं। ईश्वर से डरें और पाप न करें क्योंकि आपको भयानक परिणाम भुगतने होंगे। अब मैं इस तरह समझता हूँ कि वह यहां क्या कह रहा है जब वह कहता है कि कांपो और पाप मत करो, यही सुझाव होगा।

मैं आपको वहां सारा डेटा देता हूँ और मैं यह निष्कर्ष क्यों निकालता हूँ। तो, मैं जो कह रहा हूँ वह पृष्ठ 33 पर है, कांपना, पाप के परिणामों के डर से कांपना, आसन्न विनाश के सामने कांपना, इत्यादि। यह पहली बात है।

अब मैंने आपका अनुवाद आपके सामने रखने का सुझाव दिया है। यदि आप पृष्ठ 25 पर वापस जा सकते हैं और मैंने श्लोक तीन की पहली अनिवार्यता ले ली है, तो जान लें कि मैंने अपने लिए ईश्वरीय को अलग कर दिया है। जब मैं कॉल करूंगा तो मैं सुनूंगा।

और अब मैं सुबह 4 बजे हूँ। थरथराओ और पाप मत करो। और अब मैं 4बी पर हूँ।

और जब तुम अपने बिस्तर पर हो, तो यह कहता है, अपने हृदयों को जांचो और चुप रहो। इसका क्या मतलब है? अपने हृदयों को टटोलें और चुप रहें, शांत रहें और अपने बिस्तर पर लेटें। और यही मैं वास्तव में पृष्ठ 34, संख्या 2, 4बी पर संबोधित कर रहा हूँ।

मैं समझता हूँ कि जब आप अपने बिस्तर पर हों, तो अपने दिल की जांच करें और शांत रहें, चुप रहें। मैं इसका मतलब समझता हूँ, अपने विवेक को अपने विश्वास की पुष्टि करने दें। अपने हृदयों को खोजो और चुप रहो।

मैं खोज के लिए अनुवाद को परिभाषित करता हूँ। इस पाठ्यक्रम में हम जो करना चाहते हैं उससे यह परे है। यह आपका दिल है।

मैं आपको बुनियादी बाइबिल शब्दावली देने का प्रयास कर रहा हूँ। आपका दिल क्या है? और हृदय की कल्पना शरीर के उस हिस्से के रूप में की जाती है जो आपकी सभी गतिविधियों, आपके सोचने के तरीके, महसूस करने के तरीके, आपके मूल स्वभाव और आप क्या करते हैं, के बारे में सूचित करता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, हमें बताया गया है कि जब अबीगैल ने नाबाल को बताया कि कैसे उसने डेविड से दोस्ती की थी और उसे खाना खिलाया था, तो हम कहेंगे कि उसे स्ट्रोक हुआ था।

हिब्रू जो कहता है वह यह है कि उसका हृदय मर गया क्योंकि वह पत्थर जैसा था। हम कहेंगे कि उसे दौरा पड़ा था। लेकिन उनके लिए, जब आपका शरीर नहीं हिला, तो दिल मर गया था।

तो, उसका दिल मर गया। और फिर यह कहता है कि 10 दिन बाद, वह मर गया। हमारे निर्णय में, यदि हृदय मर गया, तो कठोर मोर्टिस स्थापित होने वाला था।

लेकिन इस तरह उन्होंने सोचा कि हृदय वह स्थान है जहाँ से सारी गतिविधियाँ प्रवाहित होती हैं। इसलिए, जब हम हृदय के बारे में बात करते हैं, तो यह आपका मूल स्वभाव है जो आप जो कुछ भी पढ़ते हैं, आप क्या सोचते हैं और आप क्या करते हैं, उसे निर्धारित करता है। तो, वह कह रहे हैं कि यह वह स्थान है जहाँ आप हैं, वह रूप है जहाँ आप निर्णय लेते हैं और उन पर कार्य करते हैं।

तो, वह कहते हैं, जब आप अपने दिल में हों, अपने बिस्तर पर हों, अपने दिल में हों, अपने दिल को, अपने धार्मिक निर्णयों के स्थान को खोजें, और अंत में चुप रहें, मैं सुझाव देता हूँ कि डर से बाहर निकलने का मतलब है, कांपना, चुप रहना। लेकिन मैं इस कहावत को समझता हूँ, अपने विवेक को आपसे बात करने दें और आपकी पुष्टि करें। यदि आप अनुबंधित समुदाय के भीतर हैं, तो आप वास्तव में झूठे ईश्वर की पूजा करके और राजा को नकार कर नहीं रह सकते।

मुझे लगता है कि वह कहते हैं, जब आप अपने बिस्तर पर होते हैं, और मैं इसे यहां रखता हूँ, तो यह शांत चिंतन है। एक समूह में, व्यक्ति उतावलेपन और पाखंडी ढंग से सोचने और कार्य करने के लिए प्रवृत्त होता है। जबकि मंच से बाहर और अपने बिस्तर की गोपनीयता में, व्यक्ति अधिक प्रामाणिक होता है और आप अपना सच्चा स्वरूप हो सकते हैं।

जब आप अकेले हों और आप अन्य लोगों को खुश करने के लिए उतावलेपन और पाखंडी ढंग से कार्य नहीं करते हैं, तो अपने हृदय को अपने विश्वास की पुष्टि करने दें। इसलिए मैं समझता हूँ कि उसका मतलब क्या है। जब आप अपने बिस्तर पर हों, तो अपने दिल की जांच करें, कहें, चुप रहें।

तीसरी जोड़ी पद पाँच पर वापस जा रही है जो धर्मियों के बलिदान की पेशकश करती है और मैं हूँ पर भरोसा करती हूँ। हम इस पर धार्मिक दृष्टिकोण से विचार करेंगे। जब वे प्रार्थना करते थे, तो वे एक बलिदान चढ़ाते थे।

और इसलिए, वह उनसे कह रहा है, मुझ पर भरोसा रखो और बाल को नहीं, बल्कि उसे अपना बलिदान चढ़ाओ। हम आज हमारे लिए कहेंगे, एक जानवर की बलि चली गई, लेकिन प्रार्थना भगवान नहीं है, चली गई। तो, हम जानवर के बिना स्तुति का बलिदान चढ़ाते हैं क्योंकि यह स्तुति है।

तो, हमारी स्तुति एक बलिदान की तरह है, भगवान की उपस्थिति में एक मीठा स्वाद। तो वह यही कह रहा है कि मुझ पर विश्वास करो और इस संकट और सूखे के बीच में उसे अपनी प्रार्थना का एक मीठा बलिदान अर्पित करो। तो इस तरह मैं समझ गया कि वह क्या कह रहा है।

सबसे पहले अपने राजा को जानें। दूसरे, अपने पाप के परिणामों को समझें। तीसरा, आपका हृदय आपकी पुष्टि करे या आपकी निंदा करे।

चौथा, प्रभु पर भरोसा रखो और उसे एक मीठा बलिदान चढ़ाओ। इस तरह वह अपना नेतृत्व खुद को बहाल कर रहे हैं। अब हमारे पास लोगों की याचिका है।

हमने आई एम के पक्ष में इसके बारे में बात की है। हम पहले ही मुख्य बातों के बारे में बात कर चुके हैं। और अब राजा द्वारा, पृष्ठ 34, यह लोगों की याचिका थी।

जो कोई हम पर उपकार करेगा, वह सब हम पर उपकार करना स्मरण रख। कई लोग यह सब कह रहे हैं कि कोई हमें अच्छा दिखाएगा। अपने चेहरे की रोशनी हम पर चमकने दो, मैं हूँ।

और फिर हमारे पास बी, राजा की प्रार्थना है, जब उनका अनाज और नई शराब प्रचुर मात्रा में हो तो मेरा दिल खुशी से भर दें। मैंने उस अनुवाद के आखिरी घंटे के दौरान इसके बारे में बात की थी। भजन समाप्त होता है और वह बिस्तर पर चला जाता है।

मैं तुम्हारे लिये लेटूंगा और तुरन्त चैन की नींद सोऊंगा, मैं अपने को अलग अलग सुरक्षित स्थान पर बसाऊंगा। उसकी प्रार्थना, स्तोत्र अनुत्तरित प्रार्थना के साथ समाप्त होती है, लेकिन वह सो जाता है, चिंतित नहीं, परेशान नहीं, यह जानते हुए कि भगवान उसकी प्रार्थना का उत्तर देंगे। वह अपने ईश्वर को जानता है और वह जानता है कि वह कौन है।

और वह शांति में है। अब यह ध्वनि चिकित्सा प्रदर्शनी है, लेकिन यह पाठ में ही है। यह बिल्कुल अच्छा है।

यह सच है। यह सच है। इसलिए राजा सोने का निश्चय करता है।

और मैंने वहां हिब्रू शब्दों पर चर्चा की। और जिस कारण से वह सो जाता है, वह शांति में है। यह पृष्ठ 36 पर है।

आप ही हैं जो मुझे सुरक्षा में रहने देते हैं और यह सुरक्षा में अलग होना चाहिए। मैं उस अनुवाद के पक्ष में बहस करता हूँ। मैं इसे खत्म कर दूंगा।

मैं आपको क्रॉस-रेफरेंस दूंगा जो मुझे लगता है कि पूरे दिल से भगवान पर भरोसा करने के इस भजन की उन्हीं सच्चाइयों का समर्थन करते हैं। तो, यशायाह 26, क्योंकि राजा प्रभु पर भरोसा रखता है, और परमप्रधान के अटल प्रेम के कारण, वह डिगोगा नहीं। और यह यीशु के बारे में सच है।

वह हर उस बिंदु पर था जिसे मानव हमारे साथ पहचानता है। भजन 21, मन का स्थिर, आप पूर्ण शांति में रहेंगे क्योंकि वह आप पर भरोसा रखता है। फिलिप्पियों में पौलुस कहता है, किसी भी बात की चिन्ता मत करो, परन्तु हर एक बात में प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ अपनी बिनती परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित करो।

और यदि आप ऐसा करते हैं, तो ईश्वर की शांति, जो सभी समझ से परे है, आपके दिल और दिमाग की रक्षा करेगी, झूठे देवताओं से आपकी रक्षा करेगी, आपकी रक्षा करेगी और आपकी रक्षा करेगी। मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ, मुझे एक पूर्व छात्र से एक पत्र मिला जो वियतनाम में था। मैं 1958 से पढ़ा रहा हूँ।

तो, यहाँ उन्होंने क्या लिखा है। वियतनाम में मैंने जो लड़ाई लड़ी उनमें से एक में मेरे चारों ओर मृत और घायल लोग थे। तीन दिनों तक बिना सोए रहने के कारण, बुद्धिमानीपूर्ण निर्णय लेने की मेरी क्षमता खतरनाक रूप से निम्न स्तर पर थी।

सुबह 3 बजे, मुझे जंगल के एक अड्डे में तोपों की बैटरी के नीचे एक छेद मिला। जंगल की रात की गर्मी और तोपों की गर्मी, जिसके बाद लगभग हर 20 सेकंड में गोले दागे जाते थे, असहनीय थी। जंगल की रात की गर्मी और तोपों की गर्मी, जो लगभग हर 20 सेकंड में गोले दागती थी, असहनीय थी।

बारूद की दुर्गंध में भी मच्छर लगातार अपना खूनी प्यासा कर्तव्य निभाते रहे। जैसे ही मैं वहाँ लेटा, धर्मग्रंथ की यह पंक्ति किसी भी मानवीय आवाज़ की तरह सुनाई दी। मैं चैन से लेटूंगा और सोऊंगा, क्योंकि तू ही मुझे सुरक्षित बसाएगा।

मुझे लगता है कि मैंने अपने पूरे जीवन की सबसे अच्छी दो घंटे की नींद ली।" यह इस भजन के साथ उनका अनुभव था। ठीक है। तो यह भजन 4 है और संगीत निर्देशक के लिए यह आज भी हमें बताता है।

तो क्या मैं सूखे के बीच हमारे दिलों को प्रोत्साहित कर सकता हूँ। ठीक है। अब पाठ में होना अद्भुत है, लेकिन मेरा काम आपको दृष्टिकोण देना और अकादमिक होना है न कि हमेशा धार्मिक और आध्यात्मिक होना।

हम इसी का आनंद लेते हैं। लेकिन हमें इस पाठ्यक्रम में कठिन शैक्षणिक कार्य करना होगा। तो अब हम यही कर रहे हैं।

हम और अधिक सूखी हड्डियों की ओर वापस जा रहे हैं। अब हम व्याख्यान पाँच पर हैं, कविता। प्रत्येक मामले में, मैं एक भजन लिखने का प्रयास करता हूँ क्योंकि हमें वास्तव में यही पसंद है कि आप उस पाठ को हरा नहीं सकते।

ठीक है। सबसे पहले, फिर कविता। मैं कहता हूँ, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम समझें कि हमारा साहित्य किस बारे में है।

किसी भी लेखक की उचित समझ के लिए उसके सामान्य चरित्र और उसकी शैली और लिखने के तरीके की विशिष्टताओं की पूर्व समझ से अधिक उपयोगी कुछ नहीं हो सकता है। तो, आपको समझना होगा, सबसे पहले, आपको भाषा को समझना होगा और फिर आपको उसकी लेखन शैली को समझना होगा। दूसरी बात जो मैं परिचय के रूप में चर्चा करता हूँ वह पुराने नियम में कविता की सीमा है।

और यह आश्चर्यजनक है। पुराने नियम का आधा हिस्सा कविता में है। सभी पैगम्बर काव्य में हैं।

नौकरी कविता में है। स्तोत्र काव्य में है। कथावतें काव्य में हैं।

यह पुराने नियम का आधा भाग है। यह कथा के विपरीत है, जो गद्य में है, जैसे उत्पत्ति से लेकर राजाओं और इतिहास तक, यह सब गद्य है। यह मुझे बताता है कि भगवान सौंदर्यवादी हैं और उन्हें कविताएँ पसंद हैं।

मेरे अधिकांश अनुभव, अधिकांश लोग ऐसा नहीं करते, लेकिन भगवान ऐसा करते हैं। इसलिए, यह समझने में कुछ समय लगेगा कि कविता क्या है। तो, भाग दो, हिब्रू कविता क्या है? अक्सर सबसे प्राथमिक चीज़ों को परिभाषित करना सबसे कठिन होता है।

कविता क्या है? सबसे अच्छी परिभाषा जो मैंने पढ़ी है वह बारबरा हेर्नस्टीन शिम्ट की है। गद्य के विपरीत, कविता भाषण का अधिक प्रतिबंधित रूप है। यह एक सतत लय और संगठन का निरंतर संचालन सिद्धांत है।

इसलिए, उदाहरण के लिए, हमें संगठन पसंद है। हमें तुकबंदी पसंद है। तो, हम शायद चाहेंगे, मैं वास्तव में उसकी बात पर यकीन करूँ।

लय पर ध्यान दें, मैं वास्तव में उसकी बात पर विश्वास करता हूँ। मसीह पापियों के लिए मरे। इसे मैंने अपने हृदय में पढ़ा, मुझे लगता है कि उसे मेरा उद्धारकर्ता बनने की आवश्यकता है।

ठीक है। तो, आप सुन सकते हैं कि यह एक निरंतर लय है और हम आधुनिक कविता में इसके आदी हैं। इसका प्रतिबन्ध लगाने का अपना तरीका है।

हिब्रू कविता में कोई छंद नहीं है। हिब्रू शब्द विभक्ति, पुल्लिंग और स्त्रीलिंग हैं। कविता सस्ती है।

यह स्वचालित रूप से आता है. यह बिल्कुल स्वाभाविक है. तो, इसमें कोई तुक नहीं है और हम वास्तव में नहीं जानते कि मीटर क्या है, लेकिन हम जानते हैं कि यह किसी तरह से प्रतिबंधित है।

तो, हिब्रू कविता के प्रतिबंध क्या हैं? और वे तीन हैं. पहले को समांतरता कहा जाता है। आप एक पंक्ति कहते हैं और फिर दूसरी पंक्ति कहते हैं।

तो, उदाहरण के लिए, भजन 2 में, अन्यजाति क्रोध क्यों करते हैं? बुतपरस्तों और क्रोध और लोगों के स्थान पर, एक व्यर्थ चीज़ की कल्पना करो। पृथ्वी के राजा इकट्ठे होते हैं। पृथ्वी के राजा एक साथ बैठते हैं।

वे यहोवा और उसके अभिषिक्त के विरुद्ध एक साथ बैठते हैं। आइए हम उनकी जंजीरों को तोड़ दें, उनकी रस्सियों को अपने से दूर फेंक दें। वह जो स्वर्ग में बैठा है हँसता है।

प्रभु उनका उपहास करते हैं। तब वह उनसे बात करेगा और प्रभु ने उनका विभाजन इत्यादि कर दिया है। आप देख सकते हैं, आप कहते हैं, विधर्मी क्रोध क्यों करते हैं? आप इसका समर्थन करते हैं और लोग व्यर्थ की कल्पना करते हैं।

यह वह पुनरावृत्ति है जिसे हम समानता कहते हैं। यह सभी भजनों, काव्यों, समस्त काव्यों के माध्यम से है। यही मूल अवधारणा समानता और भेद है।

यह सिर्फ हिब्रू कविता के बारे में सच नहीं है। यह सभी सेमेटिक कविता के बारे में सच है। मैं उस पर वापस आऊंगा।

तो मैं, बिशप लोथ के अनुसार, व्याकरण और उसकी ध्वनियों, स्वर विज्ञान, आकारिकी, शब्दों को एक साथ रखने के तरीके, वाक्य रचना और दो छंदों के बीच हमारी समझ में समानता। हिब्रू कविता में संगठन का प्राथमिक संचालन सिद्धांत, जो इसे एक निरंतर लय भी देता है, समानता है। इसका उद्देश्य जटिल जानकारी को एकीकृत तरीके से देना है।

व्यक्ति संदेश को स्टीरियोफोनिक रूप से सुनता है। यह ऐसा है जैसे आपके पास दो वक्ता हों और आप इसे इस समानता से इसकी पूरी गहराई और इसकी समृद्धि में सुन रहे हों। यह इसके बारे में सोचने का एक तरीका है।

मैं उस पर वापस आऊंगा. दूसरा, यह बहुत संक्षिप्त है। यह सर्वज्ञ है, कर्णों और अंतरालों को छोड़ देता है और पैराग्राफ पर ध्यान केंद्रित करता है।

तो, दूसरे शब्दों में, गद्य की तरह, आपके पास एक चलचित्र होता है, कविता में, आपके पास एक स्लाइड शो होता है, एक के बाद एक चित्र। मैं नहीं चाहता कि आप अब अपने नोट्स पढ़ें। मैं बस यही चाहता हूँ, मैं चाहता हूँ कि आप सुनें।

यह बात है। यह सिसैरा के साथ जजेस 4 में जेएल की घटना है। और यही गद्य है।

और सीसरा ने जेएल से कहा, कृपया मुझे पीने के लिए थोड़ा पानी दो क्योंकि मैं प्यासा हूँ। और उस ने दूध का छिलका खोलकर उसे पीने को दिया। और उसने उसे ढक दिया।

अब, तुम्हें क्या मिला? आप यहां बातचीत कर सकते हैं। तुम्हें क्या मिला? उसने आपको क्या बताया? बस मुझे इसे दोबारा पढ़कर सुनाने दीजिए। और सीसरा ने उस से कहा, मुझे थोड़ा पानी पिला दे, क्योंकि मैं प्यासा हूँ।

और उस ने दूध का छिलका खोलकर उसे पीने को दिया, और उसे ढक दिया। मुख्य बात क्या है? आपको उससे क्या मिला? वह प्यासा था। क्या कोई और इसमें कुछ जोड़ना चाहता है? वह प्यासा था और वह उसकी प्यास से मिली।

लेकिन वह नहीं जो उसने माँगा था। उसे जारी रखें। दोबारा कहना।

अपने नोट्स मत देखो। मैं तो बस कविता पढ़ूंगा। आगे बढ़ो।

उसने उसकी प्यास पूरी की, लेकिन उससे नहीं जो उसने माँगा था। उसने पानी माँगा और उसने उसे दूध दिया। आप तेज़ हैं।

इसे कविता में सुनिए। बिल्कुल यही आपको कविता में मिलता है। यहाँ यह जजेस 5 की एक कविता में है। उसने पानी माँगा, उसने दूध दिया।

एक राजसी कटोरे में, उसने उसे दही की पेशकश की। वह कविता है। पानी, देखो यह कितना संक्षिप्त है।

और वह वही चुनती है, जो आपने अभी-अभी चुना है। उसने पानी माँगा, उसने उसे सुलाने के लिए दूध दिया। और फिर उसे एक राजसी कटोरे में स्थापित करने के लिए, उसने उसे सबसे अच्छा दही दिया।

अब यह संक्षिप्त है, लेकिन शक्तिशाली है। वह कविता है। आपको फर्क दिखता है? यह गद्य पर नहीं चलता।

यह बहुत संक्षिप्त है और सीधे मुद्दे पर आता है। यही कविता का स्वभाव है। यह शक्तिशाली है, लेकिन आप सही हैं।

आपको इसके बारे में सोचना होगा। आपको इसके बारे में सोचना होगा। इसकी एक उन्नत शैली है।

यहां ठोस छवियां और भाषण के सभी प्रकार के अलंकार हैं। इसीलिए कविता की प्रकृति को जानते हुए, मुझे यह कहने में कोई समस्या नहीं थी कि धर्मत्यागियों को संबोधित करना संभवतः साहित्य में एक अपोस्ट्रोफी था और वास्तविकता नहीं हो सकती है क्योंकि यह इस प्रकार के भाषण के अलंकारों से भरा है। आपको भाषण के अलंकारों के लिए तैयार रहना होगा।

आप इसे उसी तरह नहीं पढ़ते जैसे आप गद्य पढ़ते हैं। इस वजह से, यह कम स्पष्ट है। इसका गहरा व्याख्यात्मक निहितार्थ है।

आपके साथ एक मोड़, यदि आप चाहें, तो आप इसे संख्या अध्याय 12 में देखेंगे। अब वह यहां भविष्यवक्ताओं के बारे में बात कर रहा है, लेकिन पवित्रशास्त्र की व्याख्या के लिए इसके निहितार्थ पर ध्यान दें। संख्या अध्याय 12 मरियम और हारून के बारे में है जो मूसा के नेतृत्व का मुकाबला कर रहे हैं।

उन्होंने एक कुशाइट से शादी की जो शायद काली थी और उन्हें यह पसंद नहीं आया। तो, वे चुनाव लड़ते हैं। वैसे, मुझे लगता है कि ऑगस्टीन भी अफ्रीका से था, शायद काला।

हम इस देश में एक भयानक अनुभव से गुज़रे हैं जो उन्होंने अन्य देशों में नहीं किया। परन्तु फिर भी, मरियम और हारून मूसा की कूशी पत्नी के कारण उसके विरुद्ध बातें करने लगे, क्योंकि उस ने एक कूशी से विवाह किया था। क्या यहोवा ने केवल मूसा के द्वारा ही बातें की हैं? वे पूछते हैं, क्या उन्होंने भी हमारे माध्यम से बात नहीं की? और यहोवा ने यह सुन लिया।

फिर भी एनआईवी इसे कोष्ठक में रखता है क्योंकि हमें आश्चर्य है कि क्या मूसा ने वास्तव में ऐसा कहा था। वह एक विनम्र आदमी है। अब मूसा बहुत विनम्र व्यक्ति था, पृथ्वी पर किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अधिक विनम्र, जो एक विनम्र व्यक्ति नहीं कह सकता।

तो, इसे कोष्ठक में रखा गया है। यह मेरी बात नहीं है। यहोवा ने तुरन्त मूसा से कहा, हारून और मरियम, तुम तीनों मिलापवाले तम्बू के पास निकल आओ।

तो, वे तीनों बाहर चले गये। तब यहोवा बादल के खम्भे में होकर उतर आया। वह तम्बू के द्वार पर खड़ा हुआ और हारून और मरियम को बुलाया।

जब वे दोनों आगे बढ़े तो उसने कहा, मेरी बातें सुनो। जब तुम्हारे बीच कोई भविष्यवक्ता होता है, तो मैं, प्रभु, अपने आप को दर्शन में उन पर प्रकट करता हूँ। मैं उनसे सपनों में बात करता हूँ।

परन्तु मेरे दास मूसा के विषय में यह बात सच नहीं है। वह मेरे सारे घर में विश्वासयोग्य है। उनसे मैं पहलियों में नहीं, आमने-सामने साफ-साफ बातें करता हूँ।

वह भगवान के स्वरूप को देखता है। फिर तुम मेरे दास मूसा के विरुद्ध बोलने से क्यों नहीं डरे? दूसरे शब्दों में, मूसा के पास भविष्यवक्ता की तुलना में अधिक प्रत्यक्ष रहस्योद्घाटन है। वह ईश्वर थियोफनी को देखता है और उसके पास कोई दर्शन या परिवर्धन नहीं है।

इसके अलावा, मूसा स्पष्ट रूप से बोलता है और भविष्यवक्ता आंकड़ों, कल्पना और कविता में बोलते हैं। यह गद्य की तरह शाब्दिक नहीं है। तो, इसलिए, भविष्यवक्ता को मूसा से सहमत होना होगा, जो स्पष्ट है।

दिलचस्प बात यह है कि जब वह कहता है, मूसा मेरे पूरे घर में एक नौकर है, जैसा कि आप जानते हैं, यह इब्रानियों में उठाया गया है। यदि मूसा उसके सारे घर का सेवक है, तो मसीह घर का अधिकारी है और वह घर का निर्माण कर रहा है। तो, यदि भविष्यवक्ता मूसा के अधीन है, और मूसा घर में एक नौकर है और मसीह घर पर है, तो किसकी व्याख्या को प्राथमिकता दी जाती है? मसीह.

इसने मेरे धर्मशास्त्र में बहुत कुछ बदल दिया। मैंने नये टेस्टामेंट से शुरुआत की, पुराने टेस्टामेंट से नहीं। यह आपको एक अलग तस्वीर देता है।

नए नियम में, मुझे कोई तीसरा मंदिर नहीं मिला। मुझे यूहन्ना 16 में बताया गया था, परमेश्वर की आत्मा आपको सभी सत्य का मार्गदर्शन करेगी और आपको आने वाली चीजें दिखाएगी। मैं मसीह या सहस्राब्दी के प्रेरितों की शिक्षाओं में नहीं पा सका।

यह वहां था ही नहीं। और जहाँ आपको हज़ार वर्ष मिलते हैं, वह सर्वनाशकारी साहित्य में है। हमारे पास स्वर्गदूत एक जंजीर लेता है और सांप, शैतान को बांधता है, और उसे एक बड़े बर्तन में रखता है, और उस पर ढक्कन लगाता है।

और उसने ऐसा हज़ार वर्षों तक किया। हम हज़ार वर्षों को शाब्दिक रूप से लेते हैं, लेकिन शेष को हम शाब्दिक रूप से नहीं लेते हैं। हम जानते हैं कि यह प्रतीकात्मक है।

यह एक हजार वर्ष प्रतीकात्मक क्यों है? यह उस तरह की बात थी. देखिए, साहित्य के उन रूपों की समझ की कमी है जहां हम हर चीज़ को शाब्दिक रूप से लेते हैं। लेकिन जब आप सर्वनाश के साथ काम कर रहे होते हैं, जब आप कविता के साथ काम कर रहे होते हैं, तो जरूरी नहीं कि आप इसे शाब्दिक रूप से लें, जो मैं कह रहा हूँ।

हमें आम तौर पर इसे शाब्दिक रूप से लेना सिखाया जाता है। मैं कह रहा हूँ, जब आप कविता के साथ काम कर रहे हों, तो यह एक अलग कहानी है। यह भाषण के अलंकार हैं और आपको अधिक परिष्कृत होना होगा।

और इसीलिए यह चर्चा भजनों की हमारी समझ के लिए काफी महत्वपूर्ण है। हमें पूरा समझना होगा, जैसे हमें अच्छा दिखाना होगा। वह कविता है।

यह एक अलंकार है. उदाहरण के लिए, वह रूपक है। यह क्या नहीं है, पृष्ठ 39 पर, यह न तो पैटर्नयुक्त है, मीटर्ड है, न ही छंदबद्ध है।

और मैं दिखाता हूँ कि क्या आया है। छंद या छंद के संबंध में कोई सहमति नहीं है। तो, भाग चार, पृष्ठ 40, मैं समानता से निपटता हूँ।

और वास्तव में समानता पर पहले विद्वान कार्य का श्रेय 1732 में बिशप लोथ को दिया जाता है। और मैं आपको बता दूँ, वह इंग्लैंड के चर्च में बिशप और ऑक्सफोर्ड में कविता के प्रोफेसर दोनों

थे। रॉबर्ट लोथ बाइबिल की हिब्रू कविता में समानांतर संरचनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करने वाले पहले व्यक्ति थे।

और यह वास्तव में सच नहीं है। 11वीं शताब्दी से शुरू होने वाले कुछ रब्बी, जैसे रामबन, भी समानता का पालन कर रहे थे, लेकिन लोथ इस विषय पर आधुनिक विद्वता की शुरुआत है। 1753 में, उन्होंने सैक्रा पोएसिए प्रकाशित किया हेब्रायोरम, इब्रानियों की पवित्र कविता पर, जिसने तब से बाइबिल की कविता में लगभग सभी भविष्य की विद्वता को प्रभावित किया है।

तो, कविता के साथ काम करने वाला हर व्यक्ति इस समानता के साथ काम करता है। यह इसके लिए, इसके बारे में हमारी समझ के लिए बस मौलिक है। अब, इस प्रकार लोथ ने समानता को परिभाषित किया।

एक कविता का पत्राचार दूसरे के साथ संरेखित होता है जैसे बुतपरस्त क्रोध क्यों करते हैं और लोग एक ऐसी चीज की कल्पना करते हैं जिसे मैं समानता कहता हूँ। जब एक प्रस्ताव दिया जाता है और एक दूसरा उसके साथ जोड़ दिया जाता है या उसके समकक्ष या उसके विपरीत अर्थ में या व्याकरणिक निर्माण के रूप में उसके नीचे खींचा जाता है। इन्हें मैं समानांतर रेखाएं कहता हूँ और ऐसे शब्द या वाक्यांश जो एक दूसरे को जवाब देते हैं, जैसे बुतपरस्त और लोग साजिश क्यों करते हैं, एक दूसरे के लिए व्यर्थ की कल्पना करते हैं, मैं समानांतर शब्द कहता हूँ।

तो यहीं से इसकी शुरुआत होती है। लेकिन ध्यान दें कि वह इसके बारे में कैसे सोचता है। यह उससे जुड़ा हुआ है।

यह इसमें जोड़ा गया है। यह इसके नीचे खींचा गया है। उनका कहना है कि यह इससे जुड़ा हुआ है, इसके अंतर्गत खींचा गया है, इसके समकक्ष या इसके विपरीत है।

1980 में, हिब्रू कविता की हमारी समझ में एक क्रांति हुई जो लोथ के विपरीत थी। वह सारी कविता पर हावी था। यह परिभाषा 1980 तक हावी रही।

मैं इसके बारे में और अधिक बताऊंगा। यहाँ समानता के बारे में लोथ का दृष्टिकोण है। सेंट मैरी झील पर हंस डबल, हंस और छाया तैरता है।

तो, दूसरी पंक्ति पहली पंक्ति की छाया की तरह है। ठीक है। और उनके पास मूल रूप से तीन प्रकार की समानताएं हैं जो मुझे अभी भी उपयोगी लगती हैं।

जिसे वह पर्यायवाची समानता कहते हैं। समानांतर छंद एक ही भाषाई संदर्भ को दर्शाते हैं। श्लोक की दो पंक्तियाँ एक ही बात का उल्लेख करती हैं।

वह अपने क्रोध में उन्हें डाँटता है और अपने क्रोध में उन्हें भयभीत करता है, भजन 2.5। समानता देखें। वह अपने क्रोध में उन्हें डाँटता है, डाँट का मेल भय से और क्रोध का मेल क्रोध से होता है। ठीक है।

आप देख सकते हैं कि वे लगभग पर्यायवाची हैं। विरोधी. हमने इसे भजन 1 में देखा। क्योंकि प्रभु धर्मियों का मार्ग जानता है, परन्तु दुष्टों का मार्ग नष्ट हो जाता है।

यह चियास्टिक है. ध्यान दें कि पहली पंक्ति धर्मों के मार्ग पर समाप्त होती है। अगली पंक्ति दुष्टों के मार्ग से शुरू होती है।

और भगवान जानता है कि नाश का विपरीत है, जिसका अर्थ है कि नहीं जानता का अर्थ है जीवन, विपरीत नाश। और यह हमें यह समझने में मदद करता है कि जब आप समानता को समझते हैं, तो हम समझ सकते हैं कि इसका क्या मतलब है जब यह कहता है, क्योंकि भगवान जानता है, क्योंकि इसके विपरीत नष्ट हो जाता है। और इसलिए, एक है जीवन और एक है मृत्यु।

लेकिन फिर, यह एक अलंकार है जिसे आपको भरना होगा क्योंकि भगवान जाने। यदि प्रभु जानता है, तो वह इस जीवन में मौजूद है। अब सिंथेटिक की कोई छाया नहीं है।

यह बिल्कुल गद्य जैसा है. यह होना चाहिए, ठीक है, हाँ, भजन 1.2 बिल्कुल ठीक है। पद 2, जो प्रभु की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है, और दिन रात उसकी व्यवस्था पर ध्यान करता है।

ध्यान दें कि कैसे दूसरी पंक्ति दिन और रात को जोड़ती है, और आनंद और ध्यान एक साथ चलते हैं। प्रभु का कानून, उसका कानून, आप देख सकते हैं कि एक साथ क्या प्रतिबिंबित हो रहा है, लेकिन अब इसमें कुछ जोड़ा गया है। एक वास्तविक सिंथेटिक भजन 2.6 है। मैंने अपने राजा को अपनी पवित्र पहाड़ी सिंथोन पर स्थापित किया है।

खैर, मेरी पवित्र पहाड़ी सिंथोन से मेल खाती है, लेकिन यह लगभग एक रन-ऑन है। लोथियन परिशोधन के बाद, मैंने अभी टिप्पणी की। इसलिए, यदि आप कविता पढ़ते हैं, तो शब्दावली को कभी भी मानकीकृत नहीं किया गया है।

ऐसी पंक्तियाँ, बुतपरस्त क्रोध क्यों करते हैं? वह एक पंक्ति है. लोग अलग-अलग चीज़ों की कल्पना करते हैं। उसे छड़ी भी कहा जा सकता है।

इसे कोलन कहा जा सकता है। ये दो सामान्य शब्द हैं. और जब आप दो पंक्तियों को एक साथ रखते हैं, तो हम उसे बाइकोलन के रूप में संदर्भित करते हैं ।

जब आपके पास भजन 1.1 की तरह तीन पंक्तियाँ एक साथ हों, तो वह व्यक्ति धन्य है जो दुष्टों की सलाह पर नहीं चलता। अगली पंक्ति, पापियों के रास्ते में खड़े हो जाओ। अगली पंक्ति में, उपहास करने वालों की सीट पर बैठें।

आपके पास तीन पंक्तियाँ हैं। हम उसे त्रिकोण कहते हैं। अब, अगर मैं दो बाइकोला के बारे में बात करूं तो मैं कहूंगा बाइकोलन ।

तो, मैं मदरसा स्तर पर हूँ और छात्रों को इसी के बारे में पढ़ना है। वे बाइकोलन के बारे में पढ़ने जा रहे हैं और मुझे समझाना होगा कि इन शब्दों का क्या मतलब है। मैं यहां यही कर रहा हूँ।

मैं समझा रहा हूँ कि इन शब्दों का क्या मतलब है ताकि जब आप पढ़ रहे हों, तो आपको पता चले कि क्या हो रहा है। लेकिन आप स्टिक पढ़ने के लिए उत्तरदायी हैं, आप कोलन पढ़ने के लिए उत्तरदायी हैं। आप दो को एक साथ रखें, हम उन्हें बाइकोलन या ट्राइकॉलन कहेंगे, तीन को एक साथ ट्राइकॉलन कहेंगे।

और यदि आप पूरी कविता के साथ काम कर रहे हैं, तो आप पहली स्टिक को हेमी-स्टिक कहने के लिए उत्तरदायी हैं। इसलिए, हमारे क्षेत्र में, इस क्षेत्र में कभी भी कोई मानकीकृत शब्दावली नहीं रही है, जिससे एक छात्र के लिए बहुत भ्रम पैदा हो सकता है। इसलिए मैं उसमें से अपना रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा हूँ।

तो, हम जानते हैं कि क्या हो रहा है। ठीक है। अब रॉबर्ट ऑल्टर और जेम्स कुगेल के साथ 1980 तक इसी पर जोर था।

कुगेल उस समय येल में थे। वह तब से हार्वर्ड चले गए हैं। ऑल्टर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में हैं।

और उन्होंने हिब्रू कविता के बारे में सोचने का तरीका बदल दिया है। इसे वही बात कहने के रूप में सोचने के बजाय, वे तर्क देते हैं कि दूसरी पंक्ति जोरदार है, इसमें जोड़ती है, और इसे पुष्ट करती है। यह कोई फेंकी हुई छाया नहीं है।

अंतर महत्वपूर्ण है और आप इसे बहुत अलग तरीके से पढ़ते हैं। अब हुआ यह कि, अस्सी के दशक की शुरुआत में, मुझे कैलिफ़ोर्निया में कहीं हिब्रू कविता पर व्याख्यान देने के लिए कहा गया था, संदर्भ को भूल जाइए। मैं लोथ और उसके बाद से जो कुछ भी हुआ उससे पूरी तरह परिचित था।

वह हिब्रू कविता पर मेरा व्याख्यान होने वाला था। मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गयी। मैंने कुगेल को हवाई जहाज में पढ़ा और उन्होंने कहा, यह सब गलत है।

मैं जानता था कि वह सही था। मुझे एक व्याख्यान देना है। और मैं जो कुछ भी कहने जा रहा था, मुझे पता था कि वह गलत था।

यह अति है। तो अब मैं बस इतना कर सकता था कि मैं अपनी पैट की सीट से उड़ रहा था। मैंने ऑडिटर को समझाया, मैंने यह किताब पढ़ी है।

मुझे लगता है यह सही है। इसने मेरे व्याख्यान को बर्बाद कर दिया। मुझे अपनी पैट की सीट से उड़ना है और जाते-जाते एक व्याख्यान देना है।

और मैं आपको बताऊंगा कि कुगेल ने क्या कहा। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं वह एक यादगार अनुभव था। लेकिन यहाँ वे क्या बहस कर रहे हैं।

यह वही है, यह किसी ऐसे व्यक्ति की ओर से है जो लोथ का अनुसरण कर रहा है। तो, उन्होंने इसे समझाया। इसलिए, कवि फिर से शुरुआत में जाता है और वही बात एक बार फिर कहता है, हालांकि वह एकरसता से बचने के लिए वास्तविक शब्दों को आंशिक या पूरी तरह से बदल सकता है।

अब यह हिब्रू कविता पर उनका दृष्टिकोण था। उन्होंने एकरसता से बचने के लिए बस शब्दों को बदल दिया। कुगेल ने आगे कहा, नहीं, नहीं, नहीं।

दूसरा श्लोक और भी अधिक कह रहा है और सशक्त रूप से कह रहा है। यह या तो ज़ोर देकर कह रहा है या इसमें जोड़ रहा है। और सच तो यह है कि सत्य में कोई पर्यायवाची समानता नहीं है क्योंकि अलग-अलग शब्दों का मतलब अलग-अलग होता है और यह इसमें कुछ जोड़ता है।

तो, ओह, मैं यहाँ कूद रहा हूँ। हाँ, यही ज़ोर था। और फिर सी, मैं आगे के प्रकार की समानता से निपटता हूँ।

और मैं उसे छोड़ दूँगा। मैं पृष्ठ 43 पर जेम्स कुगेल और रॉबर्ट ऑल्ट द्वारा लोथ की अस्वीकृति, पुनर्कथन और पर्यायवाची के उनके विचार पर आने जा रहा हूँ। ठीक है।

तो, सोच का यह बदलाव अब हिब्रू कविता को समझने के क्षेत्र पर हावी है। इसकी परिभाषा यह थी, यह अब कथन और संबंधित या सशक्त कथन है, पुनर्कथन नहीं। आप वही बात दोबारा नहीं कह रहे हैं।

आप कह रहे हैं कि कुछ चीज़ इसे समृद्ध बनाती है। यह इसका विस्तार करता है। यह इसकी पुष्टि करता है।

मैं कुगेल से उद्धरण देना चाहूँगा। मुझे लगता है कि वह कुछ ज्यादा ही अतिवादी है। उनका कहना है, कुल मिलाकर लोथ के दृष्टिकोण का बाद की आलोचना पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।

इसके कारण जहाँ पर्यायवाची शब्द का अस्तित्व नहीं था, वहाँ पर्यायवाची शब्द थोप दिया गया। तीक्ष्णता खो गई। और बाइबिल की समानता की वास्तविक प्रकृति को अब से दो मल के बीच निरंतर बहने की निंदा की गई थी, जिसके द्वारा उनका मतलब समानार्थी समानता और सिंथेटिक समानता है।

बल्कि दूसरा श्लोक पहले को पुष्ट और पुष्ट करता है। वह लिखते हैं, बी वर्सेट ए से जुड़ा था, इसमें कुछ समानता थी, लेकिन इसकी अपेक्षा नहीं की गई थी या इसे केवल पुनर्कथन के रूप में नहीं माना गया था। यह B की दोहरी प्रकृति है कि A के बाद आना और इस प्रकार इसमें जुड़ना, अक्सर अर्थ को विशिष्ट बनाना, परिभाषित करना या विस्तारित करना और A को वापस सुनना और स्पष्ट तरीके से उससे जुड़ना।

इसका मतलब यह है कि बी वर्सेट को ए से जोड़ा जा रहा है, इसे आगे ले जाना, इसकी प्रतिध्वनि करना, इसे परिभाषित करना, इसे पुनर्स्थापित करना, इसके साथ विरोधाभास करना, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसमें एक जोरदार समर्थन चरित्र है। और यह समरूपता या समानता के किसी भी सौंदर्यशास्त्र से कहीं अधिक है, जो बाइबिल की समानता के केंद्र में है। मामले की स्थिति के लिए, कुछ हद तक सरल रूप से, बाइबिल की रेखाएं समानांतर हैं, इसलिए नहीं कि बी का मतलब समानांतर ए है, बल्कि इसलिए कि आम तौर पर ए का समर्थन करता है, इसे आगे ले जाता है, इसका समर्थन करता है, इसे पूरा करता है, और इससे परे जाता है।

उस कार्य से पहले, सभी प्रकार की समानताओं का वर्गीकरण देने का प्रयास करते हुए शोध प्रबंध लिखे गए थे। बहुत सारे हैं, आप ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि यह बस किसी तरह से बी वर्सेट पर जोर दे रहा है और जोड़ रहा है, जिससे आपको ए वर्सेट पर एक अलग दृष्टिकोण मिल रहा है। इसलिए यह सोचने के बजाय कि वे एक ही बात कह रहे हैं, वे संबंधित बातें कह रहे हैं, लेकिन कुछ अलग ढंग से।

और आप उनके बीच अंतर तलाशते हैं। इसलिए यदि लोएव का दृश्य सेंट मैरी झील पर हंस का है जो डबल, हंस और छाया में तैरता है, तो मैं कहूंगा कि कुगेल का दृश्य सेंट मैरी झील पर हंस का है जो डबल, हंस और गैडर पर तैरता है। दूसरे शब्दों में, हंस अब नर और मादा के बीच विभाजित हो गया है और आप उन्हें अलग-अलग देखते हैं।

यह एक संबंधित कथन है। यह कोई पुनर्कथन नहीं है। इससे हमें इन दो दृष्टिकोणों में अंतर को समझने में मदद मिलेगी, जो मुझे लगता है कि आपके कविता पढ़ने के तरीके में काफी महत्वपूर्ण हैं।

यदि संभव हो तो मुझे वापस जाने दो। आइए पृष्ठ 41 पर वापस जाएँ। नहीं, यह बात नहीं है, जो मैं चाहता हूँ वह कहाँ है?

खैर, मैं इसे यूँ ही नहीं देखता। मैं अपने पास आऊंगा। हम इस पर वापस आएं।

तर्क पृष्ठ 44 हैं। लोथ पर कुगेल के पक्ष में तर्क सिंथेटिक है और इसे जोड़ना सामान्य है। और फिर यदि आप उन रब्बियों के पास जाएँ जिन्होंने हिब्रू कविता की रचना और विकास किया, तो उन्होंने इसे भेदभाव के रूप में सोचा।

मुझे नहीं पता कि यहां कितना अंदर जाना है। उदाहरण के लिए, मैथ्यू 21 को लें। मैं जॉन 19.24 से शुरू करता हूँ। यह वह कहानी है जहां यीशु क्रूस पर थे और उन्होंने उनके वस्त्र ले लिए और आपस में बांट लिए।

और उन्होंने उसका कपड़ा ले लिया, और उस पर चिट्ठी डाली। अब बारी, यह वास्तव में भजन 22 का एक उद्धरण है। यदि आप चाहें तो मेरे साथ भजन 22 की ओर मुड़ें, जिसे वे उद्धृत कर रहे हैं।

पद 18, वे मेरे वस्त्र आपस में बाँट लेते हैं, और मेरे वस्त्र के लिये चिट्ठी डालते हैं। लोव के दृष्टिकोण से, कपड़े और परिधान एक ही बात कह रहे हैं। कुगेल के दृष्टिकोण से, वे अलग-अलग बातें कह रहे हैं।

और जॉन यही करता है. उन्होंने उसके वस्त्र बाँट लिये, और उसके वस्त्र के लिये चिट्ठी डाली। वस्त्र और लबादे में अंतर है।

उन्हें एक ही बात कहने के रूप में देखने के बजाय, वे अलग-अलग बातें कह रहे हैं। और जॉन इसकी व्याख्या इस प्रकार करता है। उन्होंने मेरे वस्त्र आपस में बाँट लिये, और उसके पास जो कुछ वस्त्र थे, वे काट डाले, और सब को एक बराबर टुकड़ा मिला।

लेकिन बुनियादी लोव के लिए, लबादा, ट्यूरिन के कफन की तरह, पूरी चीज़, वह अलग होगी। लेकिन फिर भी, बुनियादी लबादा, जो कोई चाहता था, उसे पूरा मिल गया। और इसलिए, उन्होंने लबादे के लिए चिट्ठी डाली।

लबादा किसे मिलेगा? उन्होंने दूसरे वस्त्रों की तरह लबादे को विभाजित नहीं किया। आप इसे पढ़ने में एक ही बात कहने और अलग-अलग बातें कहने के बीच का अंतर देखते हैं। एक और ले लो।

और यह वह जगह है जहां लगभग सभी, उदाहरण के लिए, जकर्याह 9.9, जहां आप देखते हैं कि राजा गधे पर सवार होकर आता है, गधे के बच्चे पर। यह जकर्याह 9.9 है। सिथ्योन पुत्री अति आनन्दित हो, यरूशलेम पुत्री जयजयकार कर, देख, तेरा राजा तेरे पास आता है, धर्मी और विजयी, दीन, गदहे पर, वा बछड़े पर, और गदहे के बच्चे पर सवार। ठीक है।

अब इब्रानी कहता है, और एक बछेरे पर। इसलिए अधिकांश लोग इसे अधिक पर्यायवाची समझते हैं कि गधे को अब गधे के बच्चे के रूप में परिभाषित किया गया है। लेकिन मैथ्यू उस तरह से नहीं पढ़ता।

वह सवार होकर आया। खैर, मैथ्यू की ओर मुड़ें और देखें कि मैथ्यू इसे मैथ्यू 21.1-5 में कैसे पढ़ता है। जब वे यरूशलेम के निकट आए, और जैतून पहाड़ पर बैतसैदा के पास आए, तो यीशु ने दो चेलों को यह कहकर भेजा, कि अपने साम्हने के गांव में चले जाओ। और तुरन्त तुम वहाँ एक गदही को उसके बच्चे के साथ बन्धा हुआ पाओगे।

तो, दो जानवर हैं, गधा और बछड़ा। यह गधा नहीं है जिसे बछड़े के रूप में अधिक संकीर्ण रूप से परिभाषित किया गया है। यह अलग है।

यदि कोई तुम से कुछ कहे, तो कहना कि प्रभु को उनकी आवश्यकता है और वह उन्हें तुरन्त भेज देगा। यह इसलिये हुआ, कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो, और सिथ्योन की बेटी से कह, कि देख, तेरा राजा कोमल, गदहे और बछेरे अर्थात् गदहे के बच्चे पर सवार होकर तेरे पास आता है। तो, मैथ्यू, एक तरह से, यीशु को गधे और बछेरे दोनों के साथ चित्रित करता है।

और वे प्रतिष्ठित थे. यही अंतर है, चाहे वे एक ही चीज़ हों या वे अलग-अलग चीज़ें हों। और आप देख सकते हैं कि कैसे, मुझे याद है जब मैं हार्वर्ड में कक्षा में था, प्रोफेसर ने मैथ्यू पर हिब्रू समानता को न समझने के लिए हँसाया था, कि वे एक ही चीज़ हैं।

लेकिन अब हम जानते हैं कि वे एक ही चीज़ नहीं हैं। ठीक है। अच्छा, तुम देखो, सुनो यह भेद।

आइए और भजन 2 और भजन 2 के पद पाँच पर एक नज़र डालें। ठीक है। श्लोक पाँच में, वह अपने क्रोध में उन्हें डाँटता है और अपने क्रोध में उन्हें भयभीत करता है। अब लोथ के लिए डाँटना और डराना एक ही बात कह रहा है।

लेकिन अगर आप इसके बारे में सोचें, तो वे एक ही चीज़ नहीं हैं। डाँटना वह है जो यहोवा करता है। आतंकित करने से वे डरते हैं।

इसे एक ही बात कहने के रूप में देखने के बजाय, आप इसे देख रहे हैं और आप अधिक तेज़ चाकू से काट रहे हैं। और आप अपने आप से कह रहे हैं, जब आप धर्मग्रंथ पढ़ते हैं और उन पर मनन करते हैं, तो डाँटने और डराने के बीच क्या अंतर है? वे संबंधित हैं, लेकिन कैसे? और जब आप हिब्रू कविता को समझते हैं तो आप और अधिक सूक्ष्मता से व्याख्या करना शुरू कर देते हैं। यही अंतर देखने में मदद करता है।

और उनके बीच हमेशा कुछ न कुछ अंतर होता है, लगभग हमेशा कुछ न कुछ अंतर होता है। यही बदलाव है. और मैं लोथ के मुकाबले कुगेल के पक्ष में तर्क देता हूँ ।

पृष्ठ 45, मैं इसमें शामिल नहीं हो सकता। मैं हिब्रू उच्चारण और निरंतर द्वैतवाद के सिद्धांत के बारे में बात कर रहा हूँ। और यह बहुत उन्नत होने वाला है.

नीचे दिए गए चित्र को देखें और आप इस सिद्धांत को देख सकते हैं कि प्रत्येक कविता में दो भाग होते हैं और हिब्रू में एक निश्चित उच्चारण चिह्न द्वारा विभाजित किया जाता है। इसे एथनैक कहा जाता है । मुझे सरल बनना होगा.

लेकिन मूल रूप से एक उच्चारण चिह्न है जो इसे ए पद्य सेट और बी पद्य सेट में डालता है। ए और बी दो-स्तंभ बनाते हैं । ठीक है।

अब लहजा और आगे बढ़ता है. और इसलिए, आप ए और बी को विभाजित कर देंगे और ए को एए और एबी में विभाजित कर दिया जाएगा और बी को बीए और बीबी में विभाजित कर दिया जाएगा। या यह ए और एबी, ए और एए और एबी हो सकता है।

और यह बस बी हो सकता है। यशायाह 53 से इसका एक उदाहरण यहां दिया गया है। वह उसके सामने एक कोमल अंकुर की तरह और सूखी जमीन से निकली जड़ की तरह बढ़ा हुआ। वह AA और AB के साथ A है।

तो, दूसरे शब्दों में, एए, कल्पना वह है जिसे हम एक चूसने वाले का बागवानी शब्द कहेंगे। यह वहां का नहीं है। और इस योनिक का यही मतलब है।

यह एक चूसने वाला है। और बागवानी में आप जो करना चाहते हैं वह यह है कि आप सकर को काट देना चाहते हैं क्योंकि यह मुख्य पौधे से निकलता है। तो वह उसके सामने वैसे ही बड़ा हो रहा था।

और इससे भी अधिक, दूसरी तुलना में, एबी, यह सूखी जमीन से निकली जड़ की तरह था। दूसरे शब्दों में, उसके पास कोई वादा नहीं था और ऐसा लग रहा था जैसे उसे नष्ट कर दिया जाना चाहिए। और सूखी ज़मीन के बाहर, वह जीवित नहीं रहेगा।

यह एक विसंगति है। अब बी, उसके पास हमें अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कोई सौंदर्य या मजिस्ट्रेट नहीं था, उसकी उपस्थिति में ऐसा कुछ भी नहीं था कि हम उसकी इच्छा करें। ध्यान दें कि ए आलंकारिक है, एक अंकुर है, सूखी ज़मीन से निकली एक जड़ है।

अब शाब्दिक रूप से, उसमें कोई सुंदरता नहीं थी, ऐसा कुछ भी नहीं था कि हम उसकी ओर आकर्षित हों। वह राजा जैसा नहीं दिखता था। वास्तव में, गधे की ओर लौटते हुए, वह घोड़े पर सवार होकर नहीं, यरूशलेम से केइज़र विल्हेम की तरह आता है।

वह गधे पर सवार होकर आता है और गधे का दोष है। वह एक ग्रेट डेन कुत्ते के आकार का गधा है जिसके पैर ज़मीन पर घिसट रहे हैं। यह कैसा राजा है? जो हमें दिखाता है कि हमें कैसा होना चाहिए, दीनता और नम्रता।

वह दीनता पर सवार होकर आता है, उसमें ऐसा कुछ भी नहीं है जो हम करें। आप एक राजा से यह अपेक्षा नहीं करते। यह अलग था, बिल्कुल अलग।

लेकिन ध्यान दें कि A आलंकारिक है, B शाब्दिक है। और जब आप कविता पढ़ना सीखते हैं, तो आप अलग तरह से सोचने लगते हैं। और इस पाठ्यक्रम में मैं इसी पर काम कर रहा हूँ।

मैं आपको दृष्टिकोण दे रहा हूँ, इसके बारे में सोचने का एक तरीका, यह समझने का एक तरीका कि आप क्या जानते हैं, आप इसे अपने बाइबिल में देखते हैं, एनआईवी में, आपके पास एक पंक्ति है और फिर आपके पास दूसरी पंक्ति है। लेकिन अब मैं आपको यह दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ कि उनके बीच अंतर है। यह उससे भी कहीं अधिक परिष्कृत है।

तो, यह सब सभी प्रकार की समानताओं में विभाजित है। यह बिल्कुल शानदार प्रणाली है जो मुझे अभिभूत और आश्चर्यचकित करती है। और यह यशायाह से यहां फिर से तीसरे डिवीजन में जा सकता है।

यह ए है, उस पर अत्याचार किया गया, उसे कष्ट दिया गया, फिर भी उस ने अपना मुंह न खोला। जैसे भेड़ अपनी कैंची के सामने चुप रहती है, वैसे ही उस ने अपना मुंह न खोला। अब आप

देखिए, आपके पास एएए है, उस पर अत्याचार किया गया और उसे पीड़ा दी गई, फिर भी उसने अपना मुंह नहीं खोला।

अब हमारे पास एक रूपक है, जैसे एक भेड़ अपनी कैंची के सामने चुप हो जाती है। और फिर हमारे पास पूरी तरह से एक अलग कविता सेट के रूप में एक चरमोत्कर्ष है। उसने अपना मुंह नहीं खोला।

उन्होंने कोई शिकायत नहीं की। यह उनकी नियति थी, उनके गौरव का क्षण था। अब हम भजन 23 की ओर मुड़ते हैं।

मैंने सोचा कि आप भजन 23 को देखे बिना भजन पर कोई कोर्स नहीं कर सकते। ठीक है। सबसे पहले, अनुवाद, परिचय, अनुवाद, रूप और संरचना आदि के कुछ मामले।

ठीक है। अनुवाद, एक भजन. और अब आप जानते हैं कि इसका मतलब है तारों वाला, वाद्य यंत्रों वाला गीत।

मैं हूँ, मेरा चरवाहा है. मैं नहीं चाहता हूँ। हरे चरागाहों में, वह मुझे आराम करने की अनुमति देता है।

पानी देने के स्थानों को चुनकर, वह मेरा नेतृत्व करता है। यहां मैंने अपनी आत्मा का अनुवाद किया जिसे वह पुनर्स्थापित करता है। हिब्रू में आत्मा शब्द का वही अर्थ नहीं है जो अंग्रेजी और न्यू टेस्टामेंट में है।

नए नियम में, आपके पास एक आत्मा, शरीर, आत्मा, आत्मा है। पुराने नियम में, आप एक आत्मा हैं और आत्मा का अर्थ है आपकी इच्छाएँ, आपकी भूख। और आमतौर पर, यह लालसा के साथ होता है।

हे परमेश्वर, मेरी आत्मा तेरे लिये तरसती है, और तू प्यास से भूखा है। यह आपकी भूख से संबंधित है। तो वह आत्मा है।

यदि आप उस धार्मिक शब्द पुस्तक को लें, तो मेरे पास पुराने नियम में आत्मा क्या है, इस पर कई पृष्ठ हैं। यह नए नियम के समान नहीं है। यह आपकी जीवन शक्ति से संबंधित है।

एआर जॉनसन ने इसे एक भावुक जीवन शक्ति के रूप में परिभाषित किया। आप जीवित हैं और आपमें भूख और चाहत है। यह आपकी ड्राइव और भूख को दर्शाता है।

मैं इसे जीवन शक्ति द्वारा अनुवादित करता हूँ, वह पुनर्स्थापित करता है। वह अपने नाम के निमित्त मुझे धर्म के मार्ग पर ले चलता है। यद्यपि मैं अन्धेरे खड्ड में चल रहा हूँ, तौभी मैं विपत्ति से नहीं डरता, क्योंकि तू मेरे संग है।

आपकी छड़ी और आपके कर्मचारी, वे मुझे दिलासा देते हैं। तू मेरे शत्रुओं के साम्हने मेरे साम्हने मेज तैयार कर। तू मेरे सिर पर तेल मलता है, मेरा सिर, मेरा प्याला उमण्डता है।

निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर मेरा पीछा करती रहेगी। और मैं अनंत दिनों तक अपने घर में रहने के लिए लौट आऊंगा। संक्षेप में, मैं समझता हूँ कि इस स्तोत्र में तीन लघुचित्र, तीन दृश्य हैं।

पहला दृश्य एक चरवाहे का अपनी भेड़ों के साथ है। दूसरा दृश्य, पद पाँच, एक शेख का है जो मेज़बान के रूप में अपने तंबू में है। भजनहार शेख के साथ एक अतिथि है जो एक तंबू में रहता है, जो एक तंबू में रहता है।

तो पहला दृश्य चारागाह भूमि में है और भजनकार स्वयं को एक भेड़ के रूप में चित्रित करता है। वह आपके चरवाहे के रूप में इज़राइल के अनुबंधित भगवान के साथ भेड़ होने के अर्थ का शोषण कर रहा है। फिर वह उस दृश्य को बदल देता है और अब हम एक मेज और एक कप के साथ एक तंबू में हैं।

तम्बू में उसका मनोरंजन किया जा रहा है। तीसरा दृश्य मंदिर का है। हमने इमेजरी छोड़ दी है।

हमने आलंकारिकता छोड़ दी है। हमने चारागाह और तंबू का रूपक छोड़ दिया है। अब हम वास्तविकता पर आते हैं।

मैं जिस बारे में बात कर रहा हूँ वह मंदिर है। वह चारागाह है। वह तम्बू है।

यही ऐसा होता है। मैं जिस बारे में बात कर रहा हूँ, अगर इसे गद्य में कहें तो, मैं भगवान की भलाई के बारे में बात कर रहा हूँ। मैं भगवान की दयालुता, उसकी हिचकिचाहट के बारे में बात कर रहा हूँ।

यह है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ। यह कल्पना मुझे ईश्वर की भलाई और ईश्वर की निष्ठा के बारे में सिखाने के लिए है। तो, वह इन तस्वीरों से शुरुआत करते हैं।

पहली तस्वीर, मैं समझता हूँ कि यह है कि चरवाहा अपनी भेड़ों को हरे चरागाहों में ले जाएगा। एक चरवाहे को भेड़ों के प्रति बहुत, बहुत संवेदनशील होना पड़ता है। वे आसानी से मर जाते हैं।

उनकी अच्छी देखभाल करनी होगी। वह उन्हें हरी चराइयों में ले जाता है और उन्हें आराम करने देता है। वह उन्हें प्रचुर जल देता है।

वह कहते हैं, पानी देने के स्थानों को चुनकर, जैसा कि मैं इसका अनुवाद करूंगा, वह मेरा नेतृत्व करते हैं। फिर वह उन्हें घर ले आता है। अगर घर का रास्ता अँधेरी खड्ड से होकर जाता है तो मुझे कोई बुराई नहीं लगती क्योंकि ईश्वर मेरे साथ है।

तो, दूसरे शब्दों में, वह जो कह रहा है वह यह है कि वह मेरे लिए प्रावधान करता है। वह मुझे पुनर्स्थापित करता है। वह मेरी रक्षा करता है।

यही वह कल्पना है जो मैं इससे प्राप्त करूंगा। इसलिए, मैं उसकी अच्छाई से बहुत संतुष्ट हूँ। मैं सर्वोत्तम अनुग्रह के बीच में लेट सकता हूँ।

मैं उसमें लेटा हूँ। मैं इन शांत पानी से बहुत तरोताजा हो गया हूँ और मुझे कोई डर नहीं है। यहां तक कि सबसे अंधेरी खड्ड से भी गुजर जाओ, तुम मेरे साथ हो और मेरी रक्षा कर रहे हो।

इसलिए, मैं सुरक्षित रूप से चलता हूँ। यह विश्वास का गीत है। मैं जीवन भर सुरक्षित रूप से चलता हूँ।

लेकिन अब जब वह भेड़शाला में वापस जाता है जहां चरवाहा आमतौर पर भेड़ों की देखभाल करता है, तो वह भेड़शाला में वापस नहीं जाना चाहता। तो, वह कल्पना बदल देता है। अब वह एक भेड़ के साथ तंबू में है और वही चीज़ सिखाता है।

तुम मेरे सामने एक टेबल तैयार करो। वह हरे चरागाहों के बराबर है। यह सब मेरे शत्रुओं के सामने है।

यह इसके बराबर है, हालाँकि मैं सबसे अंधेरी घाटियों से गुज़रता हूँ, आप मेरे साथ हैं, आप मेरी रक्षा करते हैं। तो, वह यह भोज अपने सभी शत्रुओं के बीच में कर रहा है जो देख रहे हैं। इसलिए, उसकी सुरक्षा की जा रही है।

इसलिथे वह कहता है, तू मेरे शत्रुओंके साम्हने मेरे साम्हने मेज तैयार कर। फिर जैसे जल ताज़ा हो जाता है, तू मेरे सिर पर तेल मलना, हे मेरे सिर, मेरा प्याला उमड़ रहा है। मैं पूरी तरह तरोताजा हूँ।

फिर वह कहता है, निःसन्देह भलाई और करूणा सदा मेरे पीछे बनी रहेंगी। इसलिए, चरागाह में भेड़ बनना बहुत अच्छा है। तंबू में मेहमान बनना तो और भी अच्छा है, परन्तु मन्दिर में प्रभु के साथ रहना कितना अच्छा है ?

और वह हमेशा के लिए शाश्वत है, मेरे सभी दिन, हमेशा के लिए। इसलिए, मैं अनंत दिनों के लिए आई एम के घर में रहने के लिए लौट आऊंगा। अमरता का पूर्ण प्रकाश अतीत में नहीं लाया गया है, लेकिन वह जानता है कि यह अनंत दिनों तक रहेगा।

यह उस व्यवस्था में व्यक्त करने का सर्वोत्तम तरीका है। यहाँ क्या होता है उस पर थोड़ा गौर करें। ध्यान दें कि भजन को कितनी चतुराई से एक साथ रखा गया है।

ध्यान दें कि श्लोक एक से तीन में, वह चरवाहे के बारे में बात कर रहा है। प्रभु मेरे रक्षक है। वह मंदिर में एकत्र हुई मंडली से बात कर रहा है।

राजा बोल रहा है और वह उन्हें मण्डली के रूप में बता रहा है, भगवान मेरा चरवाहा है। मुझे कोई कमी नहीं है। वह मेरा भरण-पोषण करता है।

वह कह रहा है कि यह उसकी मंडली के लिए है। फिर श्लोक पाँच में अगला भाग, जब वह तंबू में होता है, तो वह सीधे भगवान से बात कर रहा होता है। और इसलिए आपने मेरे सामने एक तालिका तैयार कर ली है।

तो, वह अब भगवान के बारे में बात नहीं कर रहा है। वह भगवान से बात कर रहा है। यही कविता का स्वभाव है।

आप इस प्रकार के बदलाव करते हैं। यह बहुत आसानी से हो गया है। लेकिन ध्यान दें, और फिर श्लोक छह में, वह फिर से मंडली से बात कर रहा है।

मैं आपको जो बता रहा हूँ वह यह है कि भगवान वफादार है। ईश्वर सही है। और यह यहां मंदिर में है और यह अनंत दिनों तक है।

इस कल्पना से मैं जो बात कर रहा हूँ उसे मत भूलिए। और फिर, वह मण्डली से बात कर रहा है। तो, वह मण्डली से बात करता है।

वह भगवान से बात करता है। लेकिन ध्यान दें, इसे ही हम जानूस कहते हैं। ध्यान दें कि वह मंडली से बात करने से लेकर भगवान से बात करने तक कैसे परिवर्तन करता है।

वह चरागाह में भेड़ों की छवि के तहत भगवान से बात करना शुरू करता है। तो यही आपको श्लोक चार में मिलता है। यद्यपि मैं अँधेरी घाटी में चलता हूँ, तौभी मैं बुराई से नहीं डरता।

और अब वह पहले से ही भगवान से बात कर रहा है कि आप मेरे साथ हैं। उन्होंने वास्तव में श्लोक चार में ईश्वर के बारे में बात करने से ईश्वर से बात करने की ओर परिवर्तन किया। और उसने इसे भेड़ और चरवाहे की कल्पना के पद के अंत में किया।

हम उसे जानूस कहते हैं। यह एक खंड से दूसरे खंड में संक्रमण है। ये कविता है।

जब हम यह समझना शुरू करते हैं कि कविता क्या है तो इसे शानदार ढंग से एक साथ रखा जाता है। इन सभी नोट्स में मैं मूलतः यही साझा करना चाहता था। लेकिन मैं हमेशा इसे नए नियम में लाना पसंद करता हूँ क्योंकि यीशु के साथ, वह दोनों भेड़ें हैं जो स्वयं अपने चरवाहे के रूप में अपने पिता के साथ चलती थीं, लेकिन अब वह हमारा चरवाहा बन गया है।

और इसलिए जब मैं कहता हूँ कि प्रभु मेरा चरवाहा है, तो मैं त्रिएक ईश्वर के बारे में सोच रहा हूँ। मैं परमेश्वर के पुत्र के बारे में सोच रहा हूँ। वह महान चरवाहा है।

वह मुख्य चरवाहा है। वह अच्छा चरवाहा है जिसने अपनी भेड़ों के लिए अपना जीवन दे दिया। यह बहुत बड़ी बात है कि वह मेरे लिए मर गया।

वह मेरा चरवाहा है. और इसलिए मैं इसे नए नियम के आलोक में पढ़ना चाहता हूं। उस अनुभाग के अंत में हम यही करते हैं।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या पांच, हिब्रू कविता में भजन 4 है।